

गुरु गिरा

२५

१०५५

५५

१०५५

(1)

692011/1

श्री

58

~~एतन्मन्त्रेण त्रैलोक्यं समात्मकम्~~
~~एतन्मन्त्रेण त्रैलोक्यं समात्मकम्~~
~~कीदृश्यादिभिर्भूतैर्गणैश्चैव~~

(1A)

~~अथ त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~
~~त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~
~~गात्राणि च त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~
~~यावन्मन्त्रं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~
~~ध्यानं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~

(1B)

~~यन्त्रं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~
~~त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~
~~त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~
~~त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~
~~त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~

(1C)

~~यन्त्रं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~
~~त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~
~~त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~
~~त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं~~

(1D)

(3)

श्री लक्ष्मीविराटो
सुखं सुखं सुखं सुखं

लक्ष्मीदेवस्य सुखं सुखं सुखं सुखं

सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं

सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं

सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं

(3A)

सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं

(3B)

सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं

(3C)

सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं

सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं

(3D)

सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं सुखं

(4)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 इत्यस्य श्रीसुखस्योपनिषत्
 तांशुस्योपनिषत्तांशुस्योपनिषत्
 घण्टाघण्टाघण्टाघण्टाघण्टा
 म्मरुदभिस्यस्योपनिषत्
 एतद्विद्यास्योपनिषत्

(5A)

तांशुस्योपनिषत्तांशुस्योपनिषत्
 नमो भगवते वासुदेवाय
 एतद्विद्यास्योपनिषत्
 इत्यस्य श्रीसुखस्योपनिषत्

(5B)

तांशुस्योपनिषत्तांशुस्योपनिषत्
 उक्तस्योपनिषत्तांशुस्योपनिषत्
 उक्तस्योपनिषत्तांशुस्योपनिषत्

(5C)

मयि विद्यमानेषु
 तांशुस्योपनिषत्तांशुस्योपनिषत्
 इत्यस्य श्रीसुखस्योपनिषत्

(5D)

(5)

श्री

श्री

कर्मसुते ह मासि यथा मरु

परिहृत्य मरुते मरुते मरुते मरुते

परिहृत्य मरुते मरुते मरुते मरुते

नरुका ताज्या उ मरुते मरुते मरुते

(5A) उपरिहृत्य मरुते मरुते मरुते मरुते

यदि ल्या च मरुते मरुते मरुते मरुते

नरुका ताज्या उ मरुते मरुते मरुते मरुते

परिहृत्य मरुते मरुते मरुते मरुते

मरुका ताज्या उ मरुते मरुते मरुते मरुते

(5B) उपरिहृत्य मरुते मरुते मरुते मरुते

मरुका ताज्या उ मरुते मरुते मरुते मरुते

परिहृत्य मरुते मरुते मरुते मरुते

मरुका ताज्या उ मरुते मरुते मरुते मरुते

(5C) उपरिहृत्य मरुते मरुते मरुते मरुते

मरुका ताज्या उ मरुते मरुते मरुते मरुते

(5D) परिहृत्य मरुते मरुते मरुते मरुते

(6) ...
...
...
...
...
...

(6A) ...
...
...
...

...
...

(6B) ...
...
...
...
...

(6C) ...
...
...
...
...

(6D) ...
...

(8)

वरुण उरुसिद्धे लयाचा प्र
 लललल पाद्योरा विपुनये
 षण्ण घे घे लले नम विम उम
 पायन उद्यम मय ममा दोर
 विमं ललया मूरा गु विमि
 टालि मुद घप घ म मम



(Faint, mostly illegible handwritten text in Devanagari script, appearing as bleed-through from the reverse side of the page.)

३३५

कान्ते उह मरिजा।। मरु पुर मरु

बैउमपुण्य विरदति मरु पुर मरु

पुण्य विरदति मरु पुर मरु

नध मरु मरु पुर मरु

पुण्य विरदति मरु पुर मरु

(13A)

पुण्य विरदति मरु पुर मरु

नध मरु मरु पुर मरु

पुण्य विरदति मरु पुर मरु

पुण्य विरदति मरु पुर मरु

(13B)

पुण्य विरदति मरु पुर मरु

नध मरु मरु पुर मरु

पुण्य विरदति मरु पुर मरु

(13C)

पुण्य विरदति मरु पुर मरु

नध मरु मरु पुर मरु

पुण्य विरदति मरु पुर मरु

(13D)

महत्स्य पल्लव्या लव्या पाठेनामि

पुत्रेणो ममिठिठितो ममिठिठितो

राधति तिलं ७ ८ म्भुयासंति म्भुया

द्विजान दमरा चा लगी विना

जुहत्या भुयारा लक्ष्मि उमकी

तोऽजिपा धिषेण ममिठिठितो ७ ८

पाम्भ्या रे परमिठिठितो पाठेने

नेल ममिठिठितो म्भुयासंति म्भुया

उमची म्भुयासंति म्भुयासंति म्भुया

यंति ध लक्ष्म्या लक्ष्म्या लक्ष्म्या

नेरिठिठितो ममिठिठितो ममिठिठितो

ममिठिठितो ममिठिठितो ममिठिठितो

यंति म्भुयासंति म्भुयासंति म्भुया

जुमिठिठितो ममिठिठितो ममिठिठितो

महत्स्य पल्लव्या लक्ष्म्या लक्ष्म्या

राधति तिलं ७ ८ म्भुयासंति म्भुया

विनागिनिवर्षीवस्यतत्संकेत

संकेतियेदंकीनंरुचिरेचंजुपुन

जुनसामरालेपुनस्यरिभरिभ

दोषजोतवस्यपरचरुभरिभिसां

धाकीसगौजलउमसिमुवमलरि

उदरजगिधेतापुपुगिधेधेध

(15A)

गेनिघिसंयतिभरिभिसंरिभ

सोधेयसंभरिभिसंरिभिसंरिभ

जयतिगोवधेनप.सोधेयसंरिभ

परिसरिभेधंउरभिसंरिभिसंरिभ

(15B)

गोलेयलत्यारिभिसंरिभिसंरिभ

उरभिसंरिभिसंरिभिसंरिभ

रुजलरतिपरभधेधिसंरिभिसंरिभ

नदंकीसधरिभिसंरिभिसंरिभ

(15C)

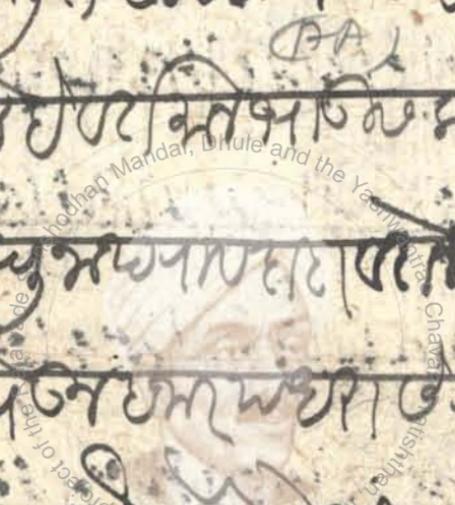
दोधिभिसंरिभिसंरिभिसंरिभ

जुनसामरालेपुनस्यरिभरिभ

(15D)

1992 गा. 266

एतिसुते ह्येते वजां वनस्मि पीह मय म
 श्रीमिरीपुजाच भगमा म्भन तिम दद्य
 एमपाएचर हते एमकीर एमपूदा उम
 गमं वजिन प म्भनी च हान म्भना विव्य रीतो
 उमपाएवाग ते उममे वरि- री एम जा उरै
 जिन पा एरि ए पर मि म्भनी उ म्भने त्यापिन
 प म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी
 उमगम ध जिन एम म्भनी उ म्भनी म्भनी
 राम म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी
 उम म्भनी ए उम उ म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी
 श्रीमि विम म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी
 उ म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी
 उमिधा हा ध म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी
 एम म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी
 म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी
 पा य म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी
 उ म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी
 उ पा ए च म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी म्भनी



उममम दे उरर सिंनंरुधे रीरि
 गेमपुनरंरि रमरंरुधे रीरि
 पारतो कारे रमरंरुधे रीरि
 हाधरंरि उरुधे रीरि रीरि
 येनरुधे रीरि रीरि रीरि
 पमिपुनरंरि रीरि रीरि
 मरंरुधे रीरि रीरि रीरि

(18A)

रीरि रीरि रीरि रीरि
 मरंरुधे रीरि रीरि रीरि
 रीरि रीरि रीरि रीरि

(18B)

रीरि रीरि रीरि रीरि
 रीरि रीरि रीरि रीरि

(18C)

रीरि रीरि रीरि रीरि
 रीरि रीरि रीरि रीरि

(18D)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

(115)

श्री

(92)

एतन्मन्त्रं त्रैलोक्ये वाचा गन्तव्यं

हृत्पद्मे तस्मै परोक्षे जगत्पतिवे

देवेभ्यो नमः पञ्चतन्त्रेभ्यो नमः

यं स कश्चिद्भूतिमश्नुते नृणां

(115A)

तन्मन्त्रं पश्यन्तु तन्मन्त्रं पश्यन्तु

यस्यैव तन्मन्त्रं पश्यन्तु तन्मन्त्रं

(115B)

यस्यैव तन्मन्त्रं पश्यन्तु तन्मन्त्रं

यस्यैव तन्मन्त्रं पश्यन्तु तन्मन्त्रं

यस्यैव तन्मन्त्रं पश्यन्तु तन्मन्त्रं

यस्यैव तन्मन्त्रं पश्यन्तु तन्मन्त्रं

(115C)

(116)

संगितो या न गति मरिचक

दूरे तां गति पृथिक्ता यं च त्याग

निरादिपुण उमदि न्नेयिवा रो मरु

यसंगितो पायस पूजगतिपि

युक्त नयेन च मरु उपरि

उम च उरिपा रीचय च उरिचि

(116A)

नद्यते पृथिमदि मरु दूरे न

मरु मी रीपि मरु रीनरा पत्यवग

उमदि न रीमल उरि मरु मरुदि

मरु मरु दूरे उरि मरु चो ना स

युक्त संगे मरु पायस मरुया

(116B)

त्य न च मरु उरि मरु पत्र मरुदि

त्य न च मरु उरि मरु पत्र मरुदि

पेह मरु मरु तद्यय रीपि मरु

(116C)



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com